

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 25 नवम्बर, 1988

क्रमांक 1302-ज-1-88/42744.—श्री नेकी राम, पुत्र श्री अमृत सिंह, निवासी गांव मन्दोला, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948, की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5783-जे०एन०III-65/3723, दिनांक 12 जुलाई, 1965, द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-II-70/29506, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा 150 रुपये और इसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री नेकी राम की दिनांक 2 जनवरी, 1987, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री नेकी राम की विधवा श्रीमती बुजी के नाम रवी, 1987 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1124-ज-II-88/42749.—श्री मान सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी गांव मिर्चपुर, तहसील हांसी, जिला हिसार, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948, की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1080-ज-(I)-79/27758, दिनांक 29 जून, 1979, द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री मान सिंह की दिनांक 18 नवम्बर, 1983, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री मान सिंह की विधवा श्रीमती भगवानी देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

राजकुमार अरोड़ा,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व (लेखा तथा जागीर) विभाग।

LATE NOTIFICATION